शांति की लहरें फैलाता शांतिसरोवर

हैदराबाद शहर से 20 कि.मी. दूरिपर गच्चीबावली मे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरिय विश्व विद्यालय का एक अनोखा सेवाकेन्द्र है। इनफोसिस सॉफ्टवेअर कंपनी के बाजू में 34 एकड भूमी पर बसा हुआ यह **'शांतिसरोवर'** बेहतर विश्व के लिए अकादमी के नाम से चीर परीचित है। दक्षिण भारत में इस विश्व विद्यालय का यह सवसे बडा राजयोग रिट्रीट सेंटर है। इतना विशाल परिसर केवल 18 महिनोंमे बना है । इसका उदघाटन 31 मई 2004 को भूतपूर्व आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबु नायडु तथा ब्रह्माकुमारी संस्था की सह–प्रशासिका राजयोगीनी दादी जानकीजी के कमल हस्तोंद्वारा हुआ ।

मुख्यद्वार से प्रवेश करते ही दोनों तरफ लगाए छोटे फुलोंके पौंधे मन को आकर्षित करते है। ऐसा आभास होता है, कि यह फुल हमारे स्वागत के लिए खडे हो। यह अकादमी पत्थरों की छोटी मोटी चट्टानों पर बना है । प्राकृतिक सौंदर्य का ध्यान रखते हुए इसका निर्माण हुआ है ।

यहॉपर मुख्यत: 4 बडे भवन है ।

आनंद भवन : 3 मंजिल वाले इस भवन में 70 कमरे हैं । हर कमरे में 4 लोगों को रहने की अत्याधुनिक सुविधा है । इसी भवन में अकादमी का स्वागत कक्ष, यातायात सेवाकक्ष भी है । छोटासा मिटिंग हाल, ध्यान करने के लिए बाबा का कमरा, मेहमानों के लिए एक छोटासा रसोई घर भी इसमें शामिल है।

सहयोग भवन : चार मंजिल वाले इस भवन के अन्दर 24 विशाल कमरे है । इसमे कुल 350 अतिथि रह सकते है । यह भी सुख साधनोंसे सुसज्जित है ।

प्रकाश भवन : यह 3 मंजिल वाला एक छोटासा भवन है, जिसमें वातानुकुलीत 6 कमरे है । यहाँपर टेलिफोन इक्सचेंज,क्लिनिक, तथा गार्डनिंग विभाग है । तीनों भवनोंमें कुल मिलाकर 800 मेहमान रह सकते है ।

ज्ञान योग भवन : यह अकादमी का मुख्य भवन है। इसमें प्रशिक्षण देने के लिए 6 बडे कक्ष है । उसमे एक कक्ष वातानुकुलीत है । 3 भोजन कक्ष, एक विशाल रसोई घर है । सब्जी तथा अन्य सामुग्री रखने के लिए एक बडा कमरा है । इसी भवन में साहित्य विभाग, ग्रंथालय, अकादमी आफिस, मुरली विभाग है । कंप्युटर तथा इंटरनेट की सुविधा यहाँपर उपलब्ध है । इसी भवन के बीचमें बडे पत्थर को वैसे ही रखकर प्राकृतिक प्रपात का नमुना बनाया गया है । इसे दिपालंकार से सुशोभित किया गया है। जीसे देखकर मन आनंदित हो जाता है ।

'अनुभूतिधाम' : ज्ञान योग भवन के सामने एक उँची टेकडीपर 'अनुभूतिधाम' है। जिसका निर्माण विशेष गहरी शांति का अनुभव कराने के लिए किया है । इसके चारो और हरियालि तथा फुलोंका बगीचा है । इस कमरेमे बैठने से सारा संसार भूल जाता है । अलौकिक शांति का अनुभव होने लगता है । सचमुच यह स्थान शांति सरोवर कि तरंगो मे खो देता है । अन्तरात्मा शांत हो जाती है ।

बाबा का कमरा : सहयोग भवन के नजदिक ,थोडीसी उँचाई पर बाबा का कमरा बनाया गया है । कमरे के पीछे एक बडा गोलाकार पत्थर है, जीसके उपर एक छोटा गोल पत्थर है । यह दोनो पत्थर शिवलिंग जैसे देखने में आते है । शिव बाबा का कमरा भी गोलाकार है। इस कमरे मे जाते ही, निराला अलौकिक अनुभव होता है ।

निराकार शिव परमात्म की शक्तियाँ, खासकर यहा पर ध्यान में बैठने से शाँति मिलती है । इसके आगे एक छोटासा बगीचा भी है । जीसमें हरियाली और फ़ुलों के पौंधे भी है ।

यहाँ से थोडी दूरीपर एक गऊशाला भी है। इसमें 12 गाये और 4 बछडे है । गऊशाला के बाजु मे बाबा की झोपडी है। जिसका नाम 'दिव्यधाम' है। लकडी तथा बाँस से बनी, यह बहुत ही सुंदर है । यह शाँति का अनुभव दिलानेवाला तिसरा विशेष स्थान है।

सहयोग भवन के पीछे जनरेटर तथा बिजली घर है । कपडे धोने के लिए धोबी घाट है । सहयोग भवन तथा आनंद भवन के बीचमे अडिटोरियम का निर्माण हो रहा है । इसमें 2200 लोगोके बैठने की व्यवस्था है । इसके नीचे ही 400 लोगोंके लिए छोटा हॉल बन रहा है । अनुभूतिधाम के बाजू मे कॉटेज का निर्माण हो रहा है। यहापर सुचारु पानी की व्यवस्था के लिए बोरवेल तथा 50,000 लि. क्षमता की बडी टंकी भी है। इस अकादमी में 40 समर्पित राजयोगी भाई बहनें रहते है । अकादमी मुख्य निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कुलदिप दिदी के मार्गदर्शन पर यहॉका कार्य सुरळीत चलता है।

इस परिसर मे बडे बडे पत्थरों के बीच जगह जगह सुंदर बगीचे बनाए गए है । आनंद भवन के आगे एक बहुत ही नयन मनोहर बाग है । इसमें हरियाली के बीचोंबीच फॅवारा है । जीसे विद्युत रंगीन दिपोसे अंलकृत किया है । अकादमी के पुरे क्षेत्र में अनेक प्रकार के सुगंधित फुलों तथा फलोंके पेड यहा उपलब्ध है। चंपा, चमेली, रातराणी जैसे फुल तथा नारियल, आम, चेरि जैसे फलोंके पौधे इसमें शामिल है । यहॉप र अनेक प्रकार के गुलाबों का बाग भी है ।

इस अकादमी परिसर में पर्यावरण का ध्यान रखा गया है। यहॉ के तीनो भवनोमें पानी गरम करने के लिए सौर उर्जा यंत्र का प्रयोग किया है। 25 से अधिक सौर उपकरण यहॉ पर लगाए गए है। यहॉ के कंप्युटर भी सौर उर्जा से चलते है। यहॉ भवनोंके बीच पक्की सडकें बनाई है और उनके दोनों तरफ हरियाली है ।

इस अकादमी में, सारे वर्ष में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमोंका आयोजन होता है । आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा नियुक्त, माध्यमिक शिक्षकों के लिए मुल्य आधारीत शिक्षा का प्रशिक्षण यहॉपर दिया जाता है । अच्छे समा ज के निर्माण के लिए राजयोग तथा स्व–प्रबंधन, आत्म उत्थान, सकारात्मक चिंतन, आध्यात्मिकता का अनुप योग, तनावमुक्ति, समय प्रबंधन, जैसे अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम यहॉ पर होते रहते है। नवोदय स्कूल प्रा ध्यापक, सैबराबाद पुलीस अधिकारी, विश्व पर्यावरण दिन, मधुमेह शिविर, युको बैंक अधिकारी, छोटे बच्चोंके कैंप, अमुल कंपनी, जलविभाग के अधिकारी, जैसे कार्यक्रम इनमें प्रमुख है।

इसके साथ मे ब्रह्माकुमारी संस्था के अनेक प्रभागोंके कार्यक्रम यहॉपर होते रहते है। जिनमें से ग्रामीण विकास ,यातायात, वैज्ञानिक एवं अभियंता, युवा विकास, धार्मिक क्षेत्र, शिक्षा विभाग, समाज सेवा, चिकित्सा, जनसंचार माध्यम, व्यवसाय एवं उद्योग, महिला, प्रशासक, कला एवं संस्कृति, राजनीतिज्ञ, कानून क्षेत्र, मुख्यतः शामिल है। ब्रह्माकुमारी भाई बहनोके लिए अखंड तपस्या के कार्यक्रम यहॉ होते है। जिसके बलपर ही यहॉ का वातावरण शांत और आनंदमय है। इस भागदौड कि दुनिया से दुर, कुछ पलोकें लिए शांति का अनुभव करने, शांतिसरोवर में आपका हार्दिक स्वागत है।